RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

हरियाणा बैच

सेवक बैच

HISTORY

19 वी शदी के धार्मिक व सामाजिक आंदोलन

Part -2

LIVE 07-05-2024 09:00 AM

⇒ प्रार्थना समाज :-

⇒ प्रार्थना समाज की स्थापना व विकास ब्रह्मसमाज की छत्रछाया में हुआ था। यथार्थ रूप से ब्रह्म समाज की एक शाखा थी।

⇒ केशवचन्द्र सेन की महाराष्ट्र यात्रा के फलस्वरूप 1867 ई० में मुम्बई में हुई थी।

संस्थापक :- डा० आत्माराम पांडुरंग व महादेव गोविंद रानाडे

⇒ प्रार्थना समाज ने दलितो, पिछड़ो, पीड़ितो व अछूतो की दशा में सुधार हेतु दलित जाति मण्डल व समाज सेवा संघ की स्थापना की।

⇒ सार्वजनिक समाज :- 1870 में महादेव गोविंद रानाडे ने

IMP

⇒ पश्चिम भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अग्रदूत M.G. रानाडे को माना जाता है

⇒ रानाडे ने नृत्य, मद्यपान और विवाह में होने फिजूल खर्चो के विरुद्ध शुद्धि आन्दोलन चलाया था

⇒ विधवा विवाह संघ की स्थापना 1861 ई० में महादेव गोविंद रानाडे ने की थी।

⇒ एक आस्तिक की धर्म में आस्था नामक पुस्तक M.G रानाडे लिखी थी।

⇒ गोपाल कृष्ण गोखले के राजनैतिक गुरु महादेव गोविंद रानाडे थे।

⇒ दक्षिण भारत में प्रार्थना समाज के प्रचार-प्रसार करने का सबसे बड़ा श्रेय तेलगू भाषा के विद्वान वीरेसलिंगम पुन्टूलु को है

⇒ पंजाब में प्रार्थना समाज की विचारधारा को फैलाने के लिए दयाल सिंह ने 1910 में दयाल सिंह कॉलेज की स्थापना की थी।

⇒ पूना सार्वजनिक सभा :- 1870 ई० में M.G. रानाडे ने की थी।

⇒ महाराष्ट्र का सुकरात महादेव गोविंद रानाडे को कहा जाता है।

⇒ आर्य समाज :-

⇒ स्थापना :- स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई० में मुम्बई में

⇒ मुख्यालय :- लाहौर (1877)

⇒ स्वामी दयानंद सरस्वती :-

⇒ जन्म :- 12 Feb 1824 ई० को गुजरात के मौरवी के टंकारा नामक स्थान पर

⇒ बचपन का नाम :- मूलशंकर

⇒ मूलशंकर ने 21 वर्ष की अवस्था में 1845 में घर छोड़ दिया।

⇒ 25 वर्ष की अवस्था में मूलशंकर ने दण्डी स्वामी पूर्णानंद ने सन्यास की दीक्षा ग्रहण की थी।

↳ ने मूलशंकर का नाम स्वामी दयानन्द सरस्वती रखा था।

⇒ (1860-61) दयानंद जी मथुरा के स्वामी विरजानंद से मिले जिन्होंने वेदों का ज्ञान दिया।

⇒ भारत का मार्टिन लूथर स्वामी दयानन्द सरस्वती को कहा जाता है।

⇒ सत्यार्थ प्रकाश की रचना :- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने

↳ भाषा :- हिन्दी भाषा

⇒ सर्वप्रथम स्वराज, स्वदेशी व राष्ट्रभाषा का प्रयोग स्वामी दयानन्द सरस्वती ने किया था।

⇒ वेदो के पुनरुत्थान का श्रेय स्वामी दयानंद सरस्वती को जाता है।

⇒ दयानंद सरस्वती नें 'वेदो की ओर लौटो' का नारा दिया था।

⇒ दयानंद सरस्वती प्रथम भारतीय थें जिन्होंने कहा भारत भारतवासियो के लिए है — एनी बेसेंट